न्यूज़ टुडे

भारत के लोकपाल ने 16 जनवरी को अपनी स्थापना की पहली वर्षगांठ मनाई

यह तारीख **लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013** के लागू होने के बाद, 2014 में **लोकपाल की स्थापना का प्रतीक** है।

लोकपाल और लोकायुक्त के बारे में

- इस अवधारणा की उत्पत्ति **1966 के प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC)** की रिपोर्ट से हुई है।
- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 ने **केंद्र स्तर पर लोकपाल (राष्ट्रीय स्तर का लोकपाल) और राज्य स्तर पर लोकायुक्त** की व्यवस्था की। इसका उद्देश्य सार्वजनिक कार्यालयों में जवाबदेही सुनिश्चित करना और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है।
  - **लोकपाल या ऑम्बुड्समैन** की अवधारणा 19वीं शताब्दी में **स्वीडन** में उत्पन्न हुई थी।

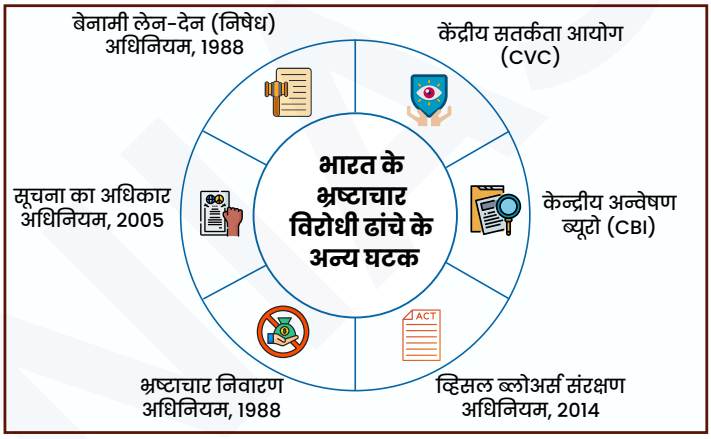

लोकपाल से संबंधित मुख्य प्रावधान

- **संरचना एवं सदस्य:** भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।
  - **अध्यक्ष-** भारत का वर्तमान में सेवारत या पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश या कोई प्रतिष्ठित व्यक्ति।
  - **लोकपाल में एक अध्यक्ष और अधिकतम 8 सदस्य होते हैं।** इन आठ सदस्यों में से चार न्यायिक सदस्य होने चाहिए। शेष चार सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़े वर्ग/ अल्पसंख्यकों और महिलाओं में से होने चाहिए।
- **चयन समिति:** इसमें **प्रधान मंत्री (अध्यक्ष), लोक सभा अध्यक्ष, विपक्ष का नेता, मुख्य न्यायाधीश/ नामित और एक प्रतिष्ठित न्यायविद** शामिल होते हैं।
- **कार्यकाल:** 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु जो भी पहले हो।
- **अधिकार क्षेत्र:** लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में प्रधान मंत्री (सुरक्षा उपायों के साथ), मंत्री, सांसद, ग्रुप A/B/C/D के अधिकारी/ कर्मचारी तथा केंद्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित संस्थाओं के अधिकारी आते हैं।
  - लोकपाल का मुख्य कार्य भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करना, जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) या व्हिसलब्लोअर द्वारा भेजी गई शिकायतें भी शामिल हैं।
- **अभियोजन विंग:** लोकपाल अपनी **अभियोजन विंग** स्थापित कर सकता है।
- **मामलों के लिए समय-सीमा:** प्रारंभिक जांच-पड़ताल: **90 दिन;** जांच: **6 महीने** (जरूरत पड़ने पर बढ़ाई भी जा सकती है)।
- **लोकपाल से संबंधित मुख्य चुनौतियां/ मुद्दे:** 7 साल से अधिक पुरानी शिकायतों का अभी तक निपटारा नहीं किया गया है; नियुक्तियों में देरी हो रही है आदि। इसके अलावा, पिछले 5 वर्षों से लगभग 90 प्रतिशत शिकायतों को इसलिए अस्वीकार कर दिया गया है, क्योंकि वे सही प्रारूप में नहीं थीं।

संचार मंत्रालय ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन (NBM) 2.0 का अनावरण किया

पूरे भारत में दूरसंचार की पहुंच, सुरक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए NBM 2.0 और संचार साथी मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए।

राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 के बारे में

- NBM-2.0, राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन (NBM)-1.0 की सफलता पर आधारित है।
  - NBM-1.0 को **राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति, 2018** के एक भाग के रूप में 2019 में लॉन्च किया गया था।
    - NBM 1.0 के तहत टेलीकॉम टावरों की संख्या 8.17 लाख और ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 941 मिलियन तक बढ़ गई थी।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य डिजिटल अवसंरचनाओं के विकास में तेजी लाना; डिजिटल विभाजन को खत्म करना तथा सभी लोगों की किफायती ब्रॉडबैंड तक पहुंच सुनिश्चित करना है।
- **इसके निम्नलिखित लक्ष्य हैं-**
  - 2030 तक **"ऑपरेशनल" ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी (OFC)** को 95% अपटाइम के साथ 50,000 गांवों से बढ़ाकर 2.7 लाख गांवों तक पहुंचाना है।
  - 2030 तक **90% प्रमुख संस्थानों** (स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत कार्यालय आदि) को ब्रॉडबैंड सेवा उपलब्ध कराना।
  - न्यूनतम **100 Mbps की निश्चित ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड** सुनिश्चित करना।
  - **5G नेटवर्क के रोलआउट** को सुविधाजनक बनाना और भविष्य के **6G नेटवर्क** के लिए तैयारी करना।
  - विशेष रूप से आपदाओं, युद्धों एवं अन्य आपात स्थितियों के दौरान कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए **ऑप्टिकल ग्राउंड वायर (OPGW)** जैसी विद्युत क्षेत्र की परिसंपत्तियों का लाभ उठाना।

संचार साथी मोबाइल ऐप

- यह उपयोगकर्ताओं को उनके दूरसंचार संसाधनों को सुरक्षित रखने और दूरसंचार संबंधी धोखाधड़ी से निपटने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण प्रदान करता है।
- ऐप की मुख्य विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - चक्षु- संदिग्ध धोखाधड़ी संचार (SFC) की रिपोर्टिंग,
  - अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शन की जानकारी, आदि।

भारत में दूरसंचार पहुंच बढ़ाने के लिए शुरू की गई अन्य पहलें

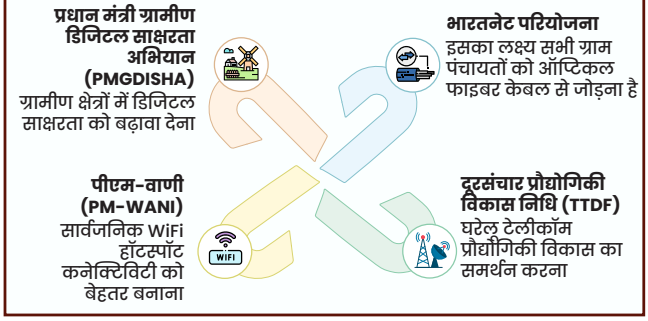

भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने पर सिंगापुर के राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए

भारत और सिंगापुर के राष्ट्रपतियों ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त रूप से लोगो (logo) का अनावरण किया।

भारत-सिंगापुर संबंध

- **राजनयिक संबंध:** भारत **1965 में सिंगापुर की स्वतंत्रता को मान्यता** देने वाले पहले देशों में से एक था। इसी वर्ष **दोनों देशों के मध्य राजनयिक संबंधों** की भी शुरुआत हुई थी।
  - भारत और सिंगापुर ने **2005 में व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते** पर हस्ताक्षर किए थे। 2015 में दोनों देशों के बीच संबंधों को **रणनीतिक साझेदारी** में परिवर्तित कर दिया गया था। द्विपक्षीय संबंधों को आगे ले जाते हुए **2024** में उन्हें **व्यापक रणनीतिक साझेदारी (Comprehensive Strategic Partnership)** में अपग्रेड किया गया था।
- **व्यापार:** 2023-24 में सिंगापुर **भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है। भारत के कुल व्यापार में सिंगापुर के साथ व्यापार की हिस्सेदारी 3.2% है। यह **आसियान समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है। भारत निवल आयातक है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, राष्ट्रमंडल, IORA (इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन) और IONS (इंडियन ओशन नेवल सिंपोजियम)** जैसे मंचों के सदस्य हैं।
- **रक्षा सहयोग:** भारत और सिंगापुर सैन्य अभ्यासों की मेजबानी करते हैं, जैसे **अग्नि वारियर (सेना) व सिम्बेक्स (नौसेना)**।
- **भारतीय प्रवासी: सिंगापुर की आबादी** में भारतीय मूल के लोगों की **हिस्सेदारी 9%** है।
  - **तमिल** सिंगापुर की **चार आधिकारिक भाषाओं** में से एक है।

भारत के लिए सिंगापुर का महत्त्व

चीन को प्रतिसंतुलित करना
चांगी नौसैनिक अड्डे तक पहुंच से भारत को चीन के प्रभाव को प्रतिसंतुलित करने में मदद मिलेगी।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
वित्त वर्ष 2023-24 में सिंगापुर भारत में FDI (11.77 बिलियन डॉलर) का प्रमुख स्रोत रहा है।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी
सिंगापुर पूर्वी एशिया में भारत की कूटनीतिक और आर्थिक भागीदारी का समर्थन करता है।

भौगोलिक अवस्थिति
सिंगापुर पूर्व-पश्चिम नौवहन मार्ग के चौराहे पर रणनीतिक रूप से अवस्थित है। यह मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों में से एक है।

रबड़ बोर्ड ने रबड़ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 2 नई पहलें शुरू की

रबड़ अधिनियम, 1947 की प्लेटिनम जयंती के अवसर पर भारतीय संधारणीय प्राकृतिक रबड़ (iSNR) और INR कनेक्ट नामक पहलों को शुरू किया गया है।

- 1947 के अधिनियम में **देश में रबड़ उद्योग के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए रबड़ बोर्ड** की स्थापना का प्रावधान किया गया था। **रबड़ बोर्ड, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य** करता है।

शुरू की गई पहलों के बारे में

- **भारतीय संधारणीय प्राकृतिक रबड़ (iSNR):** इसका उद्देश्य भारतीय रबड़ उत्पादन को **यूरोपीय यूनियन डिफ़ॉरेस्टेशन रेगुलेशन (EUDR) के सख्त मानकों के अनुरूप** सुनिश्चित करना है।
  - iSNR की एक प्रमुख विशेषता इसका **ट्रेसिबिलिटी प्रमाणन है। यह रबड़ के उत्पत्ति स्थल की गारंटी और उसकी पुष्टि का प्रमाणन है।**
- **INR कनेक्ट (वेब-आधारित प्लेटफॉर्म):** यह अप्रयुक्त या कम उपयोग हुए रबड़ बागान के उत्पादकों और ऐसे बागानों को अपनाने वाले इच्छुक लोगों को कनेक्ट करता है, जिससे रबड़ की उत्पादकता को बढ़ाया जा सके।

भारत के रबड़ क्षेत्रक की स्थिति

- **स्थिति:** भारत **प्राकृतिक रबड़ का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।**
  - **थाईलैंड** विश्व में अग्रणी **रबड़ उत्पादक है,** उसके बाद **इंडोनेशिया का स्थान है।**
- **शीर्ष उत्पादक राज्य: केरल** भारत की **90% से अधिक** प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन करता है।
  - प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन **तमिलनाडु, कर्नाटक, त्रिपुरा, असम और मेघालय** जैसे राज्यों में भी होता है।
- **प्रमुख चुनौतियां:** भारत के 20-25% रबड़ बागानों का दोहन नहीं हुआ है; जलवायु परिवर्तन (जैसे मूसलाधार बारिश); EUDR मानकों का कार्यान्वयन आदि।

रबड़ फसल के बारे में

- हेविया ब्रासिलिएन्सिस (रबड़ वृक्ष) अमेज़न नदी बेसिन की मूल प्रजाति है।
  - इसे ब्रिटिश लोगों द्वारा उष्णकटिबंधीय एशिया और अफ्रीका में लाया गया था।
  - रबड़ पेड़ों से लेटेक्स के रूप में प्राप्त होती है।
- वृक्षारोपण के लिए आवश्यक दशाएं:
  - जलवायु: रबड़ की खेती के लिए 200-300 सेंमी वार्षिक वर्षा वाली उष्णकटिबंधीय जलवायु उपयुक्त होती है।
    - तापमान 25 से 34°C तथा सापेक्ष आर्द्रता 80% होनी चाहिए।
  - मिट्टी: इसके लिए फास्फोरस की कमी वाली गहरी और लैटेराइट उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है।

रबड़ क्षेत्रक के लिए शुरू की गई अन्य प्रमुख पहलें

- राष्ट्रीय रबड़ नीति 2019;
- प्राकृतिक रबड़ क्षेत्रक के संधारणीय एवं समावेशी विकास की योजना;
- इंडियन नेचुरल रबर ऑपरेशंस फॉर असिस्टेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट आदि।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 'संशोधित खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) नीति' जारी की गई

यह संशोधित नीति **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय** ने घोषित की है। इस नीति का उद्देश्य **खाद्य सुरक्षा का विस्तार करना और इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा** देना है।

- राज्य सरकारों, कॉर्पोरेशंस और सामुदायिक रसोई को **चावल की बिक्री के लिए आरक्षित मूल्य 2,250 रुपये प्रति क्विंटल** तय किया गया है। इसके लिए **ई-नीलामी की आवश्यकता नहीं** होगी।
- इस नीति में **इथेनॉल डिस्टिलरी को चावल की बिक्री के लिए आरक्षित मूल्य 2,250 प्रति क्विंटल** तय किया गया है। यह पहले की बिक्री मूल्य की तुलना में **550 रुपये कम** है। इस कदम का उद्देश्य **इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा** देना है।

खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) क्या है?

- इस योजना के तहत, **भारतीय खाद्य निगम (FCI)** केंद्रीय पूल से अतिरिक्त अनाज (गेहूं और चावल) को **पहले से तय कीमतों पर ई-नीलामी के माध्यम से खुले बाजार** में बेचता है।
- **योजना का उद्देश्य:** इस योजना का उद्देश्य **अनाज की बाजार कीमतों को नियंत्रित करके मुद्रास्फीति में वृद्धि को रोकना है।**
- **पात्रता:**
  - इस योजना में **गेहूं उत्पादों के प्रोसेसर/ आटा चक्की/ फ्लोर मिलर** भाग ले सकते हैं।
  - योजना के तहत आमतौर पर, **राज्य सरकारों को भी नीलामी में भाग लिए बिना खाद्यान्न की खरीद की अनुमति** दी जाती है।
  - हालांकि, **व्यापारियों/ थोक खरीदारों को ई-नीलामी के माध्यम से अनाज की खरीद की अनुमति नहीं** है।

भारतीय खाद्य निगम (FCI) के बारे में

- **स्थापना:** यह एक वैधानिक निकाय है। इसे **खाद्य निगम अधिनियम, 1964** के तहत स्थापित किया गया है।
- **मंत्रालय:** यह केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- **मुख्य उद्देश्य/ कार्य:**
  - **किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीद कर उनके हितों की रक्षा करना।**
  - **सार्वजनिक वितरण प्रणाली से उचित मूल्य पर अनाज की बिक्री हेतु पूरे देश में खाद्यान्न का वितरण करना।**
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **अनाज भंडारों में उचित मात्रा में खाद्यान्नों के परिचालन और बफर स्टॉक को बनाए रखना।**

एक अनुमान के अनुसार हिमालय में स्थित याला ग्लेशियर 2040 तक समाप्त हो जाएगा

याला ग्लेशियर **नेपाल** में स्थित है। यह 1974 और 2021 के बीच **680 मीटर पीछे हट** गया था। इसके कारण इसके **क्षेत्रफल में काफी कमी (36%)** आई है।

- यह **संपूर्ण हिमालय में एकमात्र ग्लेशियर है, जिसे ग्लोबल ग्लेशियर कैजुअल्टी लिस्ट (GGCL) में शामिल** किया गया है। GGCL **ग्लेशियरों और क्रायोस्फीयर पर जलवायु परिवर्तन के तीव्र प्रभावों को उजागर** करता है।
  - **क्रायोस्फीयर** पृथ्वी का वह जमा हुआ हिस्सा है, जिसमें **बर्फ, हिम (ग्लेशियर) और जमी हुई भूमि (फ्रोजन ग्राउंड)** शामिल हैं।
- **GGCL परियोजना को 2024** में राइस यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ आइसलैंड, आइसलैंड ग्लेशियोलॉजिकल सोसाइटी, वर्ल्ड ग्लेशियर मॉनिटरिंग सर्विस और यूनेस्को द्वारा लॉन्च किया गया था।

ग्लेशियर के पीछे हटने के बारे में

- ग्लेशियर का पीछे हटना वह प्रक्रिया है, जिसमें **ग्लेशियरों का आकार और द्रव्यमान हिम के पिघलने, वाष्पीकरण एवं अन्य कारणों से कम** हो जाता है।
- **समाप्त हो चुके ग्लेशियर:** वेनेजुएला का **पिको हम्बोल्ट ग्लेशियर** (2024), फ्रांस का **सरेन ग्लेशियर** (2023) आदि।
  - ऐसा अनुमान है कि **चीन का दागू ग्लेशियर 2030 तक समाप्त हो जाएगा।**

पिघलते ग्लेशियरों/ क्रायोस्फेयर के प्रभाव

- **पारिस्थितिकी-तंत्र और आजीविका को नुकसान:** ग्लेशियर और हिम चादरों में दुनिया का लगभग **70% ताजा जल** मौजूद है, जो पारिस्थितिकी-तंत्र और मानव जीवन के लिए आवश्यक है।
  - उदाहरण के लिए- **हिन्दू कुश हिमालय में रहने वाले 240 मिलियन लोग** अपनी आजीविका एवं अन्य गतिविधियों के लिए क्रायोस्फीयर पर निर्भर हैं।
- **ग्लेशियल या हिमनदीय झील के तटबंध टूटने से उत्पन्न बाढ़ (GLOF) का बढ़ता जोखिम:** तेजी से पिघलते ग्लेशियर से **अस्थिर हिमनदीय झीलें** बनती हैं। इन झीलों के तटबंध टूटने से **विनाशकारी बाढ़** आ सकती है।
- **क्लाइमेट फीडबैक लूप:** पिघलते ग्लेशियर **पृथ्वी के एल्बिडो को कम** करते हैं। इससे अधिक ऊष्मा उत्पन्न होती है और ग्लोबल वार्मिंग की दर तेज हो जाती है।

क्रायोस्फीयर या हिममंडल के संरक्षण के लिए शुरू की गई पहलें

वैश्विक स्तर पर

- **संयुक्त राष्ट्र की पहलें:**
  - **वर्ष 2025 को ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष** घोषित किया गया है।
  - **प्रतिवर्ष 21 मार्च को 'विश्व ग्लेशियर दिवस'** के रूप में मनाया जाता है।
- **अन्य पहलें:** IUCN द्वारा **हिमालयन एडेप्टेशन नेटवर्क** और WWF द्वारा **लिविंग हिमालयाज़ इनिशिएटिव।**

भारत की पहलें:

- **हिमालयी पारिस्थितिकी-तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन;**
- **भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS):** यह ग्लेशियर से संबंधित घटनाओं पर नज़र रखता है और GLOF अलर्ट जारी करता है।
- आर्कटिक और अंटार्कटिका के लिए मिशन जैसे, **IndARC** (2014)।

अन्य सुर्खियां

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (UNEP) के एक अध्ययन में पाया गया कि 2022 में नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन विस्फोटों के कारण रिकॉर्ड स्तर पर सबसे बड़ा मानव-जनित मीथेन उत्सर्जन हुआ।

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन के बारे में

- नॉर्ड स्ट्रीम **बाल्टिक सागर के नीचे रूस से जर्मनी तक की एक प्रमुख प्राकृतिक गैस** पाइपलाइन है।
- **बाल्टिक सागर** के माध्यम से नॉर्ड स्ट्रीम द्विन पाइपलाइन प्रणाली **रूस के व्यबोर्ग से जर्मनी के ग्रीफ्सवाल्ड के पास लुबमिन** तक जाती है।
- **महत्त्व:**
  - यह **यूरोप, विशेष रूप से जर्मनी के लिए ऊर्जा सुरक्षा** सुनिश्चित करती है।
  - यह ट्रांजिट देशों को बायपास करते हुए **रूस से प्रत्यक्ष व विश्वसनीय गैस आपूर्ति** सुनिश्चित करती है।

रत्नागिरी

हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को **ओडिशा के रत्नागिरी** में उत्खनन के दौरान **प्राचीन बौद्ध कलाकृतियां** मिलीं हैं।

- इन कलाकृतियों में **बुद्ध का सिर और बौद्ध अवशेष** जैसी कलाकृतियां शामिल हैं।

रत्नागिरी के बारे में

- यह स्थल **सम्राट अशोक के कलिंग** (प्राचीन ओडिशा) पर आक्रमण के बाद से ही बौद्ध धर्म के प्रभाव में आ गया था।
- इसे विशेष रूप से महायान और तंत्रयान (वज्रयान) बौद्ध धर्म के **अध्ययन के केंद्र के रूप में नालंदा** के समकक्ष माना जाता है।
  - **रत्नागिरी, ललितगिरी और उदयगिरि** मिलकर ओडिशा के बौद्ध केंद्रों का **डायमंड ट्रायंगल** बनाते हैं।

कर्णाली पनबिजली परियोजना

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) ने नेपाल में अपर कर्णाली पनबिजली परियोजना के विकास के लिए एक **संयुक्त उद्यम समझौते को अंतिम रूप** दिया है।

- **कर्णाली नदी तिब्बत के माचा-खबाब** से निकलती है। यह नेपाल से होकर बहती हुई **भारत में घाघरा नदी** में मिल जाती है।

कर्णाली पनबिजली परियोजना के बारे में

- यह **पीकिंग रन-ऑफ-रिवर (PRoR) परियोजना** है। इस परियोजना के तहत **नेपाल से भारत और बांग्लादेश को बिजली निर्यात** की जाएगी।
  - **पीकिंग रन ऑफ द रिवर परियोजना** एक प्रकार का **पनबिजली प्लांट** है। यह प्लांट बिजली **उत्पन्न करने के लिए नदी के प्राकृतिक प्रवाह का उपयोग** करता है।
  - इसमें बिजली उत्पादन के लिए **बड़े बांध और जलाशय के निर्माण की जरूरत नहीं** पड़ती है।

न्यूरोमोर्फिक डिवाइस

भारतीय वैज्ञानिकों ने एक न्यूरोमोर्फिक डिवाइस विकसित किया है।

न्यूरोमोर्फिक डिवाइस के बारे में

- **न्यूरोमोर्फिक डिवाइस** बताता है कि **मानव शरीर दर्द को कैसे महसूस** करता है और उस पर **कैसे प्रतिक्रिया** करता है।
- यह डिवाइस मानव शरीर की **हैबिचुएशन प्रोसेस** से प्रेरित है।
  - हमारे शरीर में **नोसिसेप्टर्स नामक विशेष सेंसर** दर्द को महसूस करते हैं और हानिकारक स्थितियों पर प्रतिक्रिया करने में हमारी मदद करते हैं।
  - **हैबिचुएशन प्रोसेस** के तहत व्यक्ति वास्तव में बार-बार दिए जाने वाले दर्द का आदी हो जाता है और इसके प्रति **कम प्रतिक्रिया** देता है।
- **लाभ:** यह तकनीक धारण करने योग्य डिवाइसेज को अधिक टेक-स्मार्ट बनाती है, और मानव-मशीन के संपर्क में सुधार करती है।

कूका विद्रोह (1872)

हाल ही में कूका आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

कूका आंदोलन के बारे में

- कूका आंदोलन 1849 के बाद स्थापित ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ पंजाब में पहली बड़ी प्रतिक्रिया थी।
- यह नामधारी आंदोलन का एक महत्वपूर्ण चरण था। इस आंदोलन की स्थापना 1857 में भैनी साहिब में सतगुरु राम सिंह ने की थी।
  - राम सिंह ने नामधारियों से सभी ब्रिटिश वस्तुओं और सेवाओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया था। नामधारियों को "कूका" के नाम से भी जाना जाता है। कूका पंजाबी में "कूक" कहे जाने वाले गुरबाणी के ऊंचे स्वर में पाठ करने वालों कहा जाता है।
  - उन्होंने कूकाओं को संगठित किया और नवयुवकों को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किया।
- आंदोलन ने अधीनता के बारे में जागरूकता बढ़ाई, सविनय अवज्ञा को बढ़ावा दिया और प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में हाथ से काती गई सफेद पोशाक पहनने को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 प्रदान किए।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की 6 श्रेणियां

- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (1991-92): 4 वर्षों की अवधि के दौरान खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।
- अर्जुन पुरस्कार (1961): 4 वर्षों की अवधि के दौरान खेलों में लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।
- द्रोणाचार्य पुरस्कार (1985): यह प्रशिक्षकों (कोच) के लिए सर्वोच्च खेल सम्मान है।
- मेजर ध्यानचंद पुरस्कार (2002): खेल में आजीवन उपलब्धियों के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है।
- राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (2009): यह पिछले 3 वर्षों में खेल को बढ़ावा देने और उनके विकास के क्षेत्र में भूमिका निभाने के लिए संगठनों/ कॉर्पोरेट्स (निजी व सार्वजनिक) तथा व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ट्रॉफी (1956-57): यह पुरस्कार किसी संस्था/ विश्वविद्यालय को पिछले एक वर्ष में अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

कोकबोरोक भाषा

त्रिपुरा 'कोकबोरोक' भाषा के विकास के लिए लैंगुएज मैपिंग कर रहा है।

कोकबोरोक भाषा के बारे में

- "कोकबोरोक" शब्द कोक (अर्थ मौखिक) और बोरोक (अर्थ लोग या मानव) से मिलकर बना है।
- यह देबबर्मा (त्रिपुरी) रियांग, जमातिया, नोआतिया, कलाई, रुपिनी, मुरसिंग, उचोई आदि समुदायों की मातृभाषा है।
- इसे त्रिपुरा की राजकीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- यह चीनी-तिब्बती भाषा परिवार का हिस्सा है।

विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्य, 2025

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने अपनी "विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्य: रुझान 2025" रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- 2024 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5% के स्तर पर बनी रही। आगे आर्थिक संवृद्धि दर मंद रहेगी तथा चुनौतियां बनी रहेंगी।
  - मंद होती वैश्विक अर्थव्यवस्था के कारण श्रम बाजारों के लिए कोविड-19 महामारी के प्रभाव से पूरी तरह उबरना मुश्किल सिद्ध हो रहा है।
- श्रम बाजार के समक्ष मुख्य चुनौतियां:
  - भू-राजनीतिक तनाव,
  - जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती लागत, और
  - ऋण संकट का पूरी तरह समाधान नहीं होना।

ILO के बारे में

- इसकी स्थापना 1919 में हुई थी। इसके 187 सदस्य हैं।
- मुख्यालय: जिनेवा (स्विट्जरलैंड)।
- यह संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र त्रिपक्षीय एजेंसी है। इसमें सरकार, नियोक्ता और श्रमिक, तीनों पक्षों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- यह संगठन इन सभी पक्षों के समन्वय से श्रम मानक और श्रम नीतियां बनाता है तथा सभी के लिए सम्मानजनक कार्य/ रोजगार सुनिश्चित करने को बढ़ावा देता है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

कोलंबिया (राजधानी: बोगोटा)

कोलंबिया में प्रतिद्वंद्वी वामपंथी समूहों के बीच झड़पों में कम-से-कम 30 लोग मारे गए। यह घटना कोलंबिया-वेनेजुएला की तनावपूर्ण सीमा के पास घटित हुई है।

भौगोलिक अवस्थिति

- कोलंबिया को दक्षिण अमेरिका का प्रवेश-द्वार भी कहा जाता है।
  - यह देश दक्षिण अमेरिका महाद्वीप को मध्य और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप से जोड़ने वाले भूभाग पर अवस्थित है।
- स्थलीय सीमाएं: इसकी सीमाएं पूर्व में वेनेजुएला और ब्राजील; उत्तर में पनामा; तथा दक्षिण में पेरू एवं इक्वाडोर से लगती हैं।
- समुद्री सीमाएं: कोलंबिया का भूभाग कैरेबियन सागर और प्रशांत महासागर को स्पर्श करता है।

भौगोलिक विशेषताएं

- दो प्रमुख स्थलाकृतियां: एंडीज और मुख्य रूप से तराई।
- प्रमुख नदियां: अमेज़न, ओरिनोको आदि।
- उच्चतम बिंदु: पिको क्रिस्टोबल कोलोन।